This question paper contains 4+1 printed pages]

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1307**

Unique Paper Code : **213301**

Name of the Paper : **Sanskrit Literature III**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : **III**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19 H

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note* :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी** : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**सभी** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 2×5=10

Translate any *two* of the following :

(क) तमातिथेयी बहुमानपूर्वया सपर्यया प्रत्युदियाय पार्वती।
भवन्ति साम्येऽपि निविष्टचेतसां वपुर्विशेषेष्वतिगौरवा: क्रिया:॥

P.T.O.

(ख) दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः पितुः प्रदेशास्तव देवभूमयः।
अथोपयन्तारमलं समाधिना न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत्॥

(ग) अथाह वर्णी विदितो महेश्वरस्तदर्थिनी त्वं पुनरेव वर्तसे।
अमङ्गलाभ्यासरतिं विचिन्त्य तं तवानुवृत्तिं न च कर्तुमुत्सहे॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए, जिसमें से कोई एक संस्कृत में हो : 2×6=12

Explain with context any *two* of the following. One must be in Sanskrit :

(क) अपि क्रियार्थं सुलभं समित्कुशं जलान्यपि स्नानविधिक्षमाणि ते।
अपि स्वशक्त्या तपसि प्रवर्तसे शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्॥

(ख) यदुच्यते पार्वति ! पापवृत्तये न रूपमित्यव्यभिचारि तद्वचः।
तथा हि ते शीलमुदारदर्शने तपस्विनामप्युपदेशतां गतम्॥

(ग) यथा श्रुतं वेदविदां वर ! त्वया जनोऽयमुच्चैः पदलङ्घनोत्सुकः।
तपः किलेदं तदवाप्तिसाधनं मनोरथानामगतिर्न विद्यते॥



3. कुमारसम्भव के पंचम सर्ग के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए। 10

Describe the penance of Parvati according to 5th Canto of Kumarasambhava.

**अथवा/*Or***

कुमारसम्भव के पंचम सर्ग के अनुसार पार्वती-ब्रह्मचारी संवाद का निरूपण कीजिए।

Present पार्वती-ब्रह्मचारी संवाद according to 5th canto of Kumarasambhava.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 2×5=10

Translate any *two* of the following :

(क) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां।
यदद्धा विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्॥
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्॥

(ख) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनामाविष्कृतोऽरुणपुरःसर
एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां लोको नियम्यत
इवात्मदशान्तरेषु॥

(ग) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री।
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य
विश्वम्॥
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : 2×7=14

Explain with context any *two* of the following :

(क) इदं किल व्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति॥

(ख) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥



(ग) शुश्रूषस्व गुरून् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

6. कालिदास की काव्यशैली का निरूपण कीजिए। 10

Enumerate poetic-style of Kalidasa.

**अथवा**/*Or*

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अङ्क का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

Write the importance of fourth act of Abhijnanashakuntalam.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3×3=9

Write short notes on any *three* of the following :

प्रस्तावना, सूत्रधार, अङ्क, नान्दी, नटी।

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY New Delhi-19

90

7/12/17

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 1308

Unique Paper Code : 213302 H

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature-II

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note* :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*All* questions are compulsory.

**सभी** प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

## भाग 'क'/(Part 'A')

1. (*i*) नाटक के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए। 10

Discuss the origin and development of Drama.

**अथवा**/*Or*

कथा एवं आख्यायिका में क्या अन्तर है ? किन्हीं **दो** आख्यायिकाओं का वर्णन कीजिए।

What is the difference between कथा and आख्यायिका ? Discuss any *two* आख्यायिका।

(*ii*) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में लघु टिप्पणी लिखिए : 6

Write a short note in Sanskrit on any *one* of the following :

कालिदास, पंचतन्त्र, अमरूकशतक।

(*iii*) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक लघु निबन्ध लिखिए : 10

Write critical short essays on any *two* of the following :

(क) भवभूति का नाट्यवैशिष्ट्य

(Dramatic speciality of Bhavabhuti)

(ख) राजतरङ्गिणी

(Rajtarangini)

(ग) बृहत्त्रयी

(Brihattrayi)

(घ) दण्डी

(Dandi)

## भाग 'ब'/(Part 'B')

2. (*i*) वेदान्त दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 10

Discuss the main principles of Vedānta Philosophy.

**अथवा**/*Or*

योग दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

Discuss the main principles of Yoga Philosophy.

(*ii*) निम्नलिखित पर लघु निबन्ध लिखिए : 12

Write short notes on the following :

(क) प्रमाण चतुष्टय **अथवा**/*Or* कणाद

(ख) सत्कार्यवाद **अथवा**/*Or* मीमांसा दर्शन।

## भाग 'ग'/(Part 'C')

3. निम्नलिखित पर आलोचनात्मक लघु निबन्ध लिखिए : 15

Write critical short essay on the following :

(क) ध्वनि सिद्धान्त **अथवा**/*Or* क्षेमेन्द्र

(ख) अभिव्यक्तिवाद **अथवा**/*Or* वक्रोक्ति सिद्धान्त

(ग) रससूत्र **अथवा**/*Or* वामन।

## भाग 'घ'/(Part 'D')

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु निबन्ध लिखिए : 12

Write short notes on any *two* of the following :

अमरकोश, चरकसंहिता, संगीतरत्नाकर।

(21)

This question paper contains 4 printed pages]

19/12/17

Roll No. | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **1309**

Unique Paper Code : **213303** **H**

Name of the Paper : **Paper-10 : Proficiency in Sanskrit Language-II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note* :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :—** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

**सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

P.T.O.

1. प्रत्येक खण्ड से **दो** सूत्रों को चुनते हुए किन्हीं **चार** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये : 4×5=20

Choose *two* Sutras from each section, explain any *four* Sutras with example :

**खण्ड-क**

कर्मणि द्वितीया, अन्तराऽन्तरेण युक्ते, कर्तृकरणयोस्तृतीया, स्पृहेरीप्सितः।

**खण्ड-ख**

भीत्रार्थानां भयहेतुः, जनिकर्तुः, प्रकृतिः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्।

2. प्रत्येक खण्ड से **दो** वाक्यों को चुनते हुए किन्हीं **चार** वाक्यों में रेखाङ्कित पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रयुक्त विभक्तियों का कारण बताइये : 4×2=8

Choosing *two* sentences from each section, explain the cause of Vibhakti in underlined words in the *four* sentences :

**खण्ड-क**

(क) वृक्षम् अवचिनोति फलानि।

(ख) देवाय नमः।

(ग) वैकुण्ठम् अधिशेते हरिः।

(घ) नेत्रेण काणः।



**खण्ड-ख**

(क) अध्ययनात् पराजयते।

(ख) उपाध्यायाद् अधीते।

(ग) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः।

(घ) पितरि निपुणः।

3. खण्ड-क से **तीन** तथा खण्ड-ख से **दो** समस्त पदों को चुनकर कुल **पाँच** पदों में विग्रहोल्लेखपूर्वक सूत्रज्ञापन तथा समासनिर्देश कीजिये : 5×5=25

Choosing *three* compounds from the section-क and *two* compounds from section-ख, attempt total *five* compounds with their Vigraha, Sutra and the name of the Samasa :

**खण्ड-क**

कष्टश्रितः, शङ्कुलाखण्डः, गोहितम्, वृकभयम्, अब्राह्मणः, स्तोकान्मुक्तः, अर्धपिप्पली, राजपुरुषः।

**खण्ड-ख**

उपकृष्णम्, अधिगोपम्, हरिहरौ, पीताम्बरः, राजदन्तः।

4. किन्हीं **तीन** स्त्री प्रत्ययान्त शब्दों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्यय बताइये : 3×2=6

Name the Pratyaya in any *three* words ending in feminine suffixes indicating corresponding Sutras :

अजा, युवतिः, कुमारी, भवानी, गार्गी, नर्तकी।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिये : 2×3=6

Explain any *two* Sutras :

उगितश्च, इतो मनुष्यजातेः, द्विगोः, वोतो गुणवचनात्।

6. निम्नाङ्कित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिये : 5×2=10

Change the voice in any *five* sentences :

(1) मोहनः पुस्तकं पठति।

(2) अहं लेखं लिखितवान्।

(3) त्वया पाठः पठितः।

(4) छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति।

(5) बालकौ ग्रामं गच्छतः।

(6) सः कन्दुकेन क्रीडति।

(7) रमा भोजनं पचति।

(8) त्वं गीतं गायसि।

(9) तण्डुलान् ओदनं पचति।

(10) सुताः वेदान् पठन्तु।

(22) 7/12/17

*This question paper contains 5 printed pages.*

*Your Roll No.* .....

*Sl. No. of Ques. Paper:* **2691** **HC**

*Unique Paper Code* : **12131301**

*Name of Paper* : **Classical Sanskrit Literature (Drama)**

*Name of Course* : **B.A. (Hons.) Sanskrit – CBCS**

*Semester* : **III**

*Duration* : **3 hours**

*Maximum Marks* : **75**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

*( इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए )*

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

**टिप्पणी:**— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers may be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

*All questions are compulsory.*

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए:

P. T. O.

Translate the following:

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी-
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
काक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः।

अथवा *(Or)*

सम्बन्धिराज्यमिदमेत्य महान् प्रहर्षः
स्मृत्वा पुनर्नृपसुतानिधनं विषादः।
किं नाम दैव! भवता न कृतं यदि स्याद्
राज्यं परैरपहृतं कुशलं च देव्याः।।

(ख) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धेविच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्वेरथजवात्।।

अथवा *(Or)*

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः।
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(ग) ऐश्वर्यादनपेतमीश्वरमयं लोकोऽर्थतः सेवते
तं गच्छन्त्यनु ये विपत्तिषु पुनस्ते तत्प्रतिष्ठाऽऽशया।
भर्तुर्यें प्रलयेऽपि पूर्वसुकृतासंगेन निःसङ्गया
भक्त्या कार्यधुरां वहन्ति कृतिनस्ते दुर्लभास्त्वादृशाः।।

अथवा *(Or)*



किं शेषस्य भरव्यथा न वपुषि क्षमां न क्षिपत्येष यत्।
किं वा नास्ति परिश्रमो दिनपतेरास्ते न यन्निश्चलः।
किन्त्वङ्गीकृतमुत्सृजन्कृपणवच्छ्लाघ्यो जनो लज्जते
निर्व्यूढं प्रतिपन्नवस्तुषु सतामेतद्धि गोत्रव्रतम्।। 4×3=12

2. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

Explain the following with reference to context:

(क) सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेद् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्।।

अथवा *(Or)*

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां काले काले छिद्यते रुह्यते च।।

(ख) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः।।

अथवा *(Or)*

अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(ग) विरुद्धयोर्भृशमिह मन्त्रिमुख्ययो-
र्महावने वनगजयोरिवान्तरे।
अनिश्चयाद् गजवशयेव भीतया
गतागतैर्भृशमिव खिद्यते श्रिया।।

अथवा *(Or)*

परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थो नियतमयथार्थः क्षितिपतिः।

परार्थश्चेत् स्वार्थादभिमततरो हन्त परवान्
परायत्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः। 6×3=18

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए:

Explain any *one* of the following in *Sanskrit*:

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।।

**अथवा** *(Or)*

आपरितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।।

**अथवा** *(Or)*

चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः।
न शालेः स्तम्बकरिता वप्तुर्गुणमपेक्षते।। 7

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write notes on any *two* of the following:

नान्दी, सूत्रधार, विष्कम्भक, कञ्चुकी। 2×4=8

5. महाकवि भास की भाषाशैली का विश्लेषण कीजिए।

Write comment on the style of Mahakavi Bhasa.

**अथवा** *(Or)*

'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' उक्ति का विवेचन कीजिए।

Comment on 'Kavyeshu Natakam Ramyam Tatra Ramya Shakuntala'.



**अथवा** *(Or)*

मुद्राराक्षस के 'कृतककलह' प्रसङ्ग का महत्त्व बताइए।

Explain significance of the 'Krtakkalah' in the Mudrarakshasa. 15

6. संस्कृत नाट्य साहित्य के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए।

Explain the origin and development of Sanskrit Drama.

**अथवा** *(Or)*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any *two* of the following:

शूद्रक, विशाखदत्त, कालिदास, श्रीहर्ष। 15

This question paper contains 4 printed pages]

(93) 2017

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2692**

Unique Paper Code : **12131302**

Name of the Paper : **Poetics and Literary Criticism**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit (Core)—CBCS**

Semester : **III**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

HC

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

*Note* :— Unless otherwise required in a question, answers should be witten either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throghout the paper.

**टिप्पणी** :—अन्यथा आवश्यक ने होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु **सभी** प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

**सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संस्कृत-साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 10

Throw light on origin and development of Sanskrit Poetics.

**अथवा**/(*Or*)

मम्मट के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the cause of Poetry according to Mammata.

P.T.O.

2. काव्य के विभिन्न दृश्यादि रूपों का वर्णन कीजिए। 10

Discuss the forms Drishyadi of Poetry.

**अथवा**/(*Or*)

साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का लक्षण बताइयें।

Explain the definition of Mahakavya according to Sahityadarpana.

3. गद्यकाव्य के लक्षण एवं भेदों की समीक्षा कीजिए। 10

Critically examine the definition and types of Gadyakavya.

**अथवा**/(*Or*)

किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* :

(1) काव्यप्रयोजन

(2) मिश्रकाव्य

(3) खण्डकाव्य

(4) नाटक।

4. काव्यप्रकाश के अनुसार अभिधा **अथवा** लक्षणा की समीक्षा कीजिए। 8

Critically examine the Abhidha *or* Lakshana according to Kavyaprakash.

5. भरत के रससूत्र पर उत्पत्तिवाद **अथवा** अनुमितिवाद की व्याख्या कीजिए। 11

Explain the Utpattivad *or* Anumitivad on Rasasutra of Bharata.



**अथवा**/(*Or*)

रस की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Alaukikata of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए : 5×2=10

Define with example any *two* of the following figures of speech :

अनुप्रास, श्लेष, उपमा, अपह्नुति, व्यतिरेक।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का नाम-निर्देशपूर्वक लक्षण कीजिए : 6

Identify the name and definition of the figures of speech used in any *two* of the following verses :

(*i*) नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपंकजम्।
मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनोभरैः॥

(*ii*) आहवे जगदुद्दण्डराजमण्डलराहवे।
श्रीनृसिंह महीपाल स्वस्त्यस्तु तव बाहवे॥

(*iii*) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

(*iv*) अनायासकृशं मध्यमशंकतरले दृशौ।
अभूषणमनोहारि वपुर्वयसि सुभ्रुवः॥

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए : 2×3=6

Define and illustrate any *two* of the following metres :

उपजाति, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये : 2×2=4

Scan and name the meter in any *two* of the following :

(*i*) वागर्थाविव संपृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

(*ii*) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

(*iii*) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः।
यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः॥

(*iv*) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परीग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

This question paper contains 4 printed pages] (24) 18/12/17

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2693**

Unique Paper Code : **12131303** **HC**

Name of the Paper : **Indian Social Institutions and Polity**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit Core (CBCS)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*Note* :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

## अनुभाग 'क'

## (Section A)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer any *three* among the following : 3×15=45

1. बौद्ध साहित्य में सामाजिक संस्थाओं का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of social institutions in Buddhist literature.

P.T.O.

2. स्मृतियों के अनुसार धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके भेदोपभेदों की चर्चा कीजिए।

Clarify the concept of Dharma and its types according to the Smritis.

3. जातिव्यवस्था का उद्भव बताते हुए अन्तर्जातीय विवाहों का विश्लेषण कीजिए।

Explain the origin of caste system and analyze intercaste marriages.

4. बृहत्संहिता के अनुसार नारी की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Explain the importance of women according to the Brihatsamhita.

5. वैदिक काल के अनुसार सभा और समिति का परिचय देते हुए इनके बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Give the introduction of Sabha and Smiti according to Vedic Period. How are they different from each another ?

6. अर्थशास्त्र के अनुसार राजा के 'आवश्यक गुणों' को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the 'Essential qualities' of a king according to The Arthashastra.



7. अन्तर्राज्यीय सम्बन्ध का परिचय देते हुए मण्डल सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the Mandal Theory with the introduction of interstate relations.

## अनुभाग 'ख'

## (Section B)

8. लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 2×7=14

(*i*) सप्ताङ्ग अथवा षाड्गुण्य

(*ii*) शुक्राचार्य अथवा मनुस्मृति।

Write short notes on :

(*i*) Saptang or Shadgunya

(*ii*) Shukracharya or Manusmriti.

## अनुभाग 'ग'

## (Section C)

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से कम से कम एक संस्कृत में हो : 2×8=16

Explain any *two* of the following verses *one* of them should be in Sanskrit :

(*i*) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः।
एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम्॥

(*ii*) जामयो यानि गेहानि शपन्त्यप्रतिपूजिताः।
तानि कृत्याहतानीव विनश्यन्ति समन्ततः॥

(*iii*) चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्ध्यकर्तारमव्ययम्॥

(*iv*) अराजके हि लोकेऽस्मिन्सर्वतो विद्रुते भयात्।
रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः॥